पद ६0

(राग: यमन जिल्हा - ताल: दादरा)

सत्यवंत भीम नांदतो चाळकापुरीं रे ।।ध्रु.।। निर्बलासी देतो बळ वांझे लागि देतो बाळ। आंधळ्यासी देऊनी डोळे डोळस करी रे ।।१।। बिधरासी देतो कर्ण निर्धनासी देतो धन। मनोरथ पूर्ण करी इच्छिल्यावरी रे।।२।। पांगुळ्यासी पाय देत लुल्यालागीं देतो हस्त। पित्त शीत संन्निपात दूर होय नवज्वरहि रे।।३।। रक्तपित्ति कुष्टरोग जाउनि होय दिव्य अंग। गंडमाळ होय भंग उद्ख्यथा दूर करी रे।।४।। भक्तकामकल्पदुम तो हा उभा असे भीम। माणिकदास घेउनि नाम गर्जना करी रे।।५।।